4.02.25

वकील वादी प्रार्थी वकुलाय फरीकैन
उपस्थित/अनुपस्थित/श्रीमान पीठासीन
अधिकारी महोदय ....नदवर्धिपधारे है
पर है। अतः पत्रावली वास्ते ....पूर्वी०
....पेश हो।
दिनांक 08.04.25

08.04.25 आज यह पत्रावली पेश हुई वकुलाय पक्षकारान आये उन्हें सुना गया पत्रावली व इसमें शामिल उपलब्ध रिकार्ड का अवलोकन किया गया जिससे मामला एवं सुविधा का संतुलन प्रार्थीगण के हक़ में प्रतीत होता है चूंकि प्रकरण मे स्थगन प्रा० पत्र पेश किया जाकर वाही इनके अवलोकन करने पर हम इस नतीजे पर पहुंचे है कि फरीकैन के हकों का निर्धारण दावा में साक्ष्य व सबूतों के परीक्षण के पश्चात हो सकेगा तब तक पक्षकारान के मध्य कानूनी पेचीदगीयों से बचने की दृष्टि से प्रा० पत्र स्वीकार ना फैसला दावा किया जाता है कि आ० सं० न० 49 रकबा [illegible] 06 बाके ग्राम धारसी तहसील भुसावर की प्रति आगामी रिकार्ड एवं मौके की यथावत स्थिति बनाये रखें

पत्रावली फैसला हेतु पेश हो [illegible] [illegible] हो सलग्न मूल बाद हो

(राधेश्याम मीना)
उपखण्ड अधिकारी
भुसावर (भरतपुर) राज.
भुसावर